(c) whether the matter has been investigated; and

(d) if so, with what result?

The Minister of Heavy Engineering and Industry in the Ministry of Industry and Supply (Shri T. N. Singh): (a) to (d). An engineer of the Heavy Electricals (India) Limited, Bhopal, was killed on the 23rd October, 1965, while on duty, as a result of being struck by a pledge hammer. The matter is under investigation by the police.

Bharat Electronics, Bangalore

1388. Shri Buta Singh:
Shri Narasimha Reddy:

Will the Minister of **Industry and Supply** be pleased to state:

(a) whether radio valves manufactured by the Bharat Electronics at Bangalore are not available in Delhi at controlled rates;

(b) whether Government have taken steps to check the profiteering in the sale of valves; and

(c) if so, the details thereof?

The Minister of Heavy Engineering and Industry in the Minister of Industry and supply (Shri T. N. Singh): (a) No, Sir. Messrs. Bharat Electronics Ltd., have appointed distributors in Delhi to sell BEL valves through their dealers at BEL fixed prices. These prices are published in papers from time to time for general information of public.

(b) and (c). Do not arise.

Import of Air-conditioned Machinery for Coaches

1389. Shri M. S. Murti: Will the Minister of **Railways** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that air-conditioned machinery for coaches is being imported from Japan;

(b) if so, whether any agreement has been signed with any Japanese firm; and

(c) the details thereof?

The Minister of State in the Ministry of Railways (Dr. Ram Subhag Singh): (a) No.

(b) and (c). Do not arise.

Production of Starch

1390. Shri Vishwa Nath Pandey:
Shri Kindar Lal:

Will the Minister of **Industry and Supply** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a U.S. firm has agreed to help to develop a starch factory in India which will convert waste agricultural products into industrial uses; and

(b) if so, Government's reaction thereto?

The Minister of Heavy Engineering and Industry in the Ministry of Industry and Supply (Shri T. N. Singh): (a) and (b). Yes, Sir. M/s. Pan Alliance Corporation of U.S.A. are collaborating with the Indian firm M/s. Cassava Starch Products Ltd. for setting up a unit for manufacture of starch and dextrose powder from tapioca. An industrial licence has been issued to the Indian firm.

---

12 hrs.

CALLING ATTENTION TO MATTER OF URGENT PUBLIC IMPORTANCE

Reported Collision at Sagauli Station of North Eastern Railway

श्री हुकम चन्द कछवाय (देवास) : अध्यक्ष महोदय मैं अविलम्बनीय लोक महत्व के निम्नलिखित विषय की ओर रेलवे मंत्री का ध्यान दिलाता हूं और प्रार्थना करता हूं कि वे इस बारे में एक वक्तव्य दें :—

> "14 नवम्बर 1965 को पूर्वोत्तर रेलवे के सगौली स्टेशन पर एक मालगाड़ी और एक रेलवे इंजन के हुई बीच टक्कर का

[श्री हुकम चन्द कछवाय]

समाचार जिस के परिणाम-स्वरूप दो फायरमैनों की मृत्यु हो गई।"

Shri A. P. Sharma (Buxar): Sir, I gave a similar Calling Attention Notice the other day and that was disallowed.

Mr. peaker: I will look into it.

रेलवे मंत्रालय में राज्य-मंत्री (डा० राम सुभग सिंह) : 14-11-1965 को लगभग 0.35 बजे जब एक अप मालगाड़ी का इंजन पूर्वोत्तर रेलवे के नरकटियागंज-मुजफ्फरपुर खण्ड के सगौली जंकशन स्टेशन पर शंटिंग कर रहा था, तब नं० 4 एम एन डाउन मालगाड़ी स्टेशन यार्ड में दाखिल हो गयी और अप मालगाड़ी के इंजन से टकरा गयी।

टक्कर के कारण 4 एम एन डाउन मालगाड़ी के इंजन के साथ का कर्मी-यान चकनाचूर हो गया। 4 एम एन डाउन मालगाड़ी के दो फायरमैन जिनकी ड्यूटी खत्म हो चुकी थी उस कर्मी-यान में आराम कर रहे थे। उन्हें सख्त चोटें आयी और थोड़ी देर बाद उनकी मृत्यु हो गयी। एक ड्राइवर को भी हल्की चोटें आयी जो उस समय ड्यूटी पर नहीं था और उसी कर्मी-यान में आराम कर रहा था। कर्मी-यान के पीछे चार लदे हुए माल डिब्बे पटरी से उतर कर उलट गये जिससे थोड़ी देर के लिए गाड़ियों का आना-जाना रुक गया।

स्टेशन कर्मचारियों ने घायल ड्राइवर की मरहम पट्टी की। उसके बाद आगे इलाज के लिए उसे समस्तीपुर रेलवे अस्पताल में भेज दिया गया। उसे अब अस्पताल से छुट्टी दे दी गयी है।

नरकटियागंज से डाक्टरी यान और रेलवे डाक्टरों को लेकर सहायता-गाड़ी घटना स्थल को फौरन चल पड़ी। समस्तीपुर मण्डल के अधिकारीगण भी घटनास्थल पर पहुंच गये।

दुर्घटना के कारण की छानबीन की जा रही है और जिला अधिकारियों की एक समिति जांच कर रही है।

मृत फायरमैनों के निकट सम्बन्धियों को अनुग्रह के रूप में रकम देने की व्यवस्था की गयी है।

श्री हुकम चन्द कछवाय : मन्त्री महोदय ने बताया है कि मृत लोगों के परिवार के लोगों को सहायता देने की व्यवस्था की गई है। मैं यह जानना चाहता हूं कि अभी तक सहायता क्यों नहीं दी गई है। जो लोग सोए हुए थे, क्या वे अपनी ड्यूटी के समय सो रहे थे, या वे ड्यूटी पर नहीं, इसलिए सो रहे थे?

डा० राम सुभग सिंह : इंजिन के पास के डिब्बे में दो फ़ायरमैन थे, जिन की मृत्यु हो गई और एक ड्राइवर को चोट लगी। वे ड्यूटी पर नहीं थे। जहां तक रुपये देने का सवाल है, उनके सम्बन्धियों को रुपया दिया जा चुका है।

Shri D. C. Sharma (Gurdaspur): May I know how it is that the incidence of such accidents is higher on the North Eastern Railway than on other Railways? What steps are the Government taking to see that the North Eastern Railways become more efficient for saving the lives of the people and for protecting the property of the railways?

Dr. Ram Subhag Singh: So far as the question of higher incidence of accidents on this Railway is concerned, I do not agree with the Member that this particular Railway has got a higher incidence. In fact, when taken together the incidence of accidents has fallen by about 25 per cent compared to the figures of the previous few years. The performance of the Railway has improved very much

during the past few years. So far as alerting the staff for becoming more vigilant is concerned, we have been constantly impressing upon them this point. They are also doing their best to improve the situation.

अध्यक्ष महोदय : माननीय सदस्य, श्री ए॰ पी॰ शर्मा, की शिकायत क्या है ?

श्री अ॰ प्र॰ शर्मा : मुझे इत्तिला दी गई थी कि मेरे कालिंग एटेन्शन नोटिस को डिसअलाऊ कर दिया गया है ।

अध्यक्ष महोदय : मगर क्या आपने आज का एजेन्डा देखा नही था ?

श्री अ॰ प्र॰ शर्मा : आज का एजेन्डा नही देखा ।

अध्यक्ष महोदय : आपने एजेन्डा नहीं देखा और शिकायत कर रहे है । अब आप सवाल करें ।

श्री अ॰ प्र॰ शर्मा : मै यह जानना चाहता हूं कि जो कालिजन हुआ है, वह कैसे हुआ है— क्या एक लाइन पर गाड़ी थी और उसी लाइन पर दूसरी आ गई या साइड कालिजन हुआ है ।

डा॰ राम सुभग सिंह : मालगाड़ी का इंजिन शंटिंग कर रहा था और वहां पर दूसरी गाड़ी आ गई । इसलिए वह कालिजन हो गया ।

श्री अ॰ प्र॰ शर्मा : उसी लाइन पर आ गई ?

डा॰ राम सुभग सिंह : वहीं पर ।

—

12.03 hrs.

RE: CALLING ATTENTION NOTICE (Query)

श्री बागड़ी (हिसार) : अध्यक्ष महोदय, मेरा एक ध्यानाकर्षक प्रस्ताव है झुग्गी-झोंपड़ियों के बारे में ।

श्री हुकम चन्द कछवाय (देवा) : छः सौ लोगों को उजाड़ा गया है ।

अध्यक्ष महोदय : यह सवाल इस तरह नहीं उठाया जा सकता है ।

श्री बागड़ी : **

श्री हुकम चन्द कछवाय : **

श्री मौर्य (अलीगढ़) **

अध्यक्ष महोदय : यह रिकार्ड पर नहीं आयेगा

मैंने मेम्बर साहबान से एक, दो, दस, बीस दफ़ा नहीं, बल्कि पचास दफ़ा कहा है कि इस तरह काम चलने में बहुत रुकावट होती है । अगर मैं किसी सवाल या प्रस्ताव को नामंजूर करता हूं और किसी माननीय सदस्य को उसके बारे में शिकायत है, तो वह मुझे लिखें । मै फिर उस के बारे में सोचने के लिए तैयार हूं । लेकिन अगर चार पांच सदस्य इस बात की कोशिश करेंगे कि इस तरह प्रैशर लाकर यहां पर मेरा वह फ़ैसला बदलवा लें, तो ऐसा नहीं हो सकेगा । मैं अपना फ़ैसला इस तरह नहीं बदल सकता हूं । अगर किसी माननीय सदस्य को शिकायत है, तो वह मुझे लिखें । मैं उनकी बात को बड़े अदब और पूरे ध्यान से देखूंगा । लेकिन यह जरूरी नहीं है कि माननीय सदस्यों से इत्तिफ़ाक करूं । आखिर जो फ़ैसला होगा, उसको मानना होगा । मैंने बहुत दफ़ा कहा है कि इस तरह से हाउस में बिजिनेस नहीं चल सकता है । मेरे पास 36 नोटिसज आए है । अगर 36 के 36 मेम्बर खड़े हो कर एक एक मुझ से जवाब मांगना शुरू कर दें कि आपने मेरा क्यों नामंजूर किया है, उसको क्यो नही लिया जा रहा है, तो किस तरह से काम चल सकता है । तब तो सारा दिन इसी मे चला जाएगा । इस तरह से कारंवाई नहीं चल सकती है । अगर आपको कोई शिकायत है मेरे

** Not recorded.